

वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिसा में कमी

प्रलिस के लयि:

केंद्रीय सशस्त्र पुलसि बल, समाधान (SAMADHAN)

मेन्स के लयि:

वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिसा और उसका कारण

चर्चा में क्यों?

'गृह मंत्रालय' (MHA) द्वारा उपलब्ध आँकड़ों के मुताबकि, देश में 'वामपंथी उग्रवाद' (LWE) से संबंधित हिसा और इसके प्रभाव के भौगोलिक प्रसार में लगातार गिरावट आई है।

- माओवादियों का भौगोलिक प्रभाव देश के केवल 41 ज़िलों तक समित कर रह गया है, जो कविरष 2010 में 10 राज्यों के 96 ज़िलों तक वसितृत था।
- वामपंथी उग्रवाद की घटनाएँ भी वरष 2009 के 2,258 से घटकर अगस्त 2021 तक 349 हो गई हैं।

प्रमुख बडि

■ भारत में वामपंथी उग्रवाद:

- वामपंथी उग्रवाद को दुनयि भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के रूप में जाना जाता है।
- भारत में नक्सली हिसा की शुरुआत वरष 1967 में पश्चिम बंगाल में दारजलिगि ज़िले के नक्सलबाड़ी नामक गाँव से हुई और इसीलयि इस उग्रपंथी आंदोलन को 'नक्सलवाद' के नाम से जाना जाता है।
 - ज़मींदारों द्वारा छोटे कसिानों के उत्पीड़न पर अंकुश लगाने के लयि सत्ता के खलिफ चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हई चटर्जी द्वारा शुरु कयि गए इस सशस्त्र आंदोलन को नक्सलवाद का नाम दयिा गया।
- यह आंदोलन छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे पूर्वी भारत के कम वकिसति राज्यों में फैल गया।
- यह माना जाता है कनिकसली माओवादी राजनीतिक भावनाओं और वचिारधारा का समर्थन करते हैं।
 - माओवाद, साम्यवाद का एक रूप है जसिे माओ त्से तुंग द्वारा वकिसति कयिा गया। इस सदिधांत के समर्थक सशस्त्र वदिरोह, जनसमूह और रणनीतिक गठजोड़ के संयोजन से राज्य की सत्ता पर कब्ज़ा करने में वशिवास रखते हैं।
 - वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र को 'रेड कॉरडिोर' कहा जाता है।

■ वामपंथी उग्रवाद का कारण:

○ आदविसी असंतोष:

- वन (संरक्षण) अधनियिम, 1980 का उपयोग आदविसियों को लक्षित करने के लयि कयिा गया है, जो अपने जीवन यापन हेतु वनोपज पर नरिभर हैं।
- वकिस परयिोजनाओं, खनन कार्यों और अनय कारणों की वजह से नक्सलवाद प्रभावित राज्यों में व्यापक स्तर पर जनजातीय आबादी का वसिथापन हुआ है।

○ माओवादियों के लयि आसान लक्ष्य:

- ऐसे लोग जनिके पास जीवन जीने का कोई स्रोत नहीं है, उन्हें माओवादियों द्वारा आसानी से अपने साथ कर लयिा जाता है।
- माओवादी ऐसे लोगों को हथयिार, गोला-बारूद और पैसा मुहैया कराते हैं।

○ देश की सामाजकि-आर्थकि प्रणाली में अंतराल:

- सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कयि गए वकिस के बजाय हसिक हमलों की संख्या के आधार पर अपनी सफलता को मापती है।
 - नक्सलियों से लड़ने के लयि मज़बूत तकनीकी बुद्धमित्ता का अभाव है।
- उदाहरण के लयि ढाँचागत समस्याएँ, कुछ गाँव अभी तक कसिी भी संचार नेटवरक से ठीक से जुड़ नहीं पाए हैं।

○ प्रशासन की तरफ से कोई जाँच नहीं:

- यह देखा गया है कपुलसि द्वारा कसिी क्षेत्र पर कब्ज़ा करने के बाद भी प्रशासन उस क्षेत्र के लोगों को आवश्यक सेवाएँ

प्रदान करने में वफिल रहता है।

- नक्सलवाद से एक सामाजिक मुद्दे या सुरक्षा खतरे के रूप में नपिटने पर भ्रम की स्थिति।

■ नक्सली गतिविधियों की जांच के लिये सरकार की पहल:

- **2015 में राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना:** इसमें सुरक्षा उपायों, विकास पहलों और स्थानीय समुदायों के अधिकारों को सुनिश्चित करने वाले बहु-आयामी दृष्टिकोण शामिल हैं।
 - गृह मंत्रालय (MHA) **केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF)** बटालियनों की तैनाती, हेलीकॉप्टरों और यूएवी तथा भारतीय रज़िर्व बटालियनों (IRBs)/वशिष भारत रज़िर्व बटालियनों (SIRBs) की मंजूरी के माध्यम से राज्य सरकारों को व्यापक समर्थन प्रदान कर रहा है।
 - राज्य पुलिस के आधुनिकीकरण और प्रशिक्षण हेतु, पुलिस बल आधुनिकीकरण (Modernization of Police Force-MPF), सुरक्षा संबंधी व्यय (Security Related Expenditure-SRE) व वशिष बुनियादी ढाँचा योजनाओं (Special Infrastructure Scheme-SIS) के तहत धन उपलब्ध कराया जाता है।
 - सड़कों के निर्माण, मोबाइल टावरों की स्थापना, कौशल विकास, बैंकों और डाकघरों के नेटवर्क में सुधार, स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाओं के लिये कई विकास पहलें लागू की गई हैं।
 - वशिष केंद्रीय सहायता (Special Central Assistance- SCA) योजना के तहत अधिकांश वामपंथी उग्रवाद प्रभावित ज़िलों को विकास के लिये धन भी प्रदान किया जाता है।
- **ग्रेहाउंड्स:** वर्ष 1989 में इसे एक वशिषिट नक्सल वशिधी बल के रूप में स्थापित किया गया था।
- **ऑपरेशन ग्रीन हंट:** इसे वर्ष 2009-10 में शुरू किया गया था जिसके तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की गई थी।
- **वामपंथी उग्रवाद (LWR) मोबाइल टावर परियोजना:** सरकार द्वारा वर्ष 2014 में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्य क्षेत्रों में मोबाइल संपर्क में सुधार करने हेतु मोबाइल टावरों की स्थापना को मंजूरी दी गई थी।
- **आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम:** इसे वर्ष 2018 में शुरू किया गया, इसका उद्देश्य उन ज़िलों में तीव्रता से सुधार करना है जिनोंने प्रमुख सामाजिक क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम प्रगति दिखाई है।
- **समाधान (SAMADHAN):**
 - इसका अर्थ है:
 - **S-** स्मार्ट लीडरशिप।
 - **A-** आक्रामक रणनीति।
 - **M-** प्रेरणा और प्रशिक्षण।
 - **A-** एकशानेबल इंटेल्जिंस।
 - **D-** डैशबोर्ड आधारित मुख्य प्रदर्शन संकेतक (KPIs) और मुख्य परिणाम क्षेत्र (KRAs)।
 - **H-** हार्नेसिंग टेक्नोलॉजी।
 - **A-** प्रत्येक थिएटर/नाटकशाला हेतु कार्य योजना।
 - **N-** वृत्तिपोषण तक पहुँच नहीं।
 - यह सिद्धांत वामपंथी उग्रवाद की समस्या का एकमात्र समाधान है। इसमें विभिन्न स्तरों पर तैयार की गई अल्पकालिक से लेकर दीर्घकालिक नीतियों में सरकार की पूरी रणनीति शामिल है।

आगे की राह

- यद्यपि हाल के दिनों में वामपंथी उग्रवाद की घटनाओं में कमी आई है लेकिन ऐसे समूहों को समाप्त करने के लिये निरंतर प्रयास और ध्यान देने की आवश्यकता है।
- **IED (इम्प्रोवाइज़्ड एक्सप्लोसिव डेवाइस)** से संबंधित घटनाओं को रोकने के लिये नवीन उपायों को नयोजित करने की आवश्यकता है, इससे हाल के वर्षों में महत्त्वपूर्ण घटनाओं को अंजाम दिया गया है।
- **कानून और व्यवस्था** बनाए रखने में राज्य महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिये **स्थानीय पुलिस बलों के क्षमता निर्माण और आधुनिकीकरण** पर ज़ोर दिया जाना चाहिये। स्थानीय प्रशासन **वामपंथी उग्रवादी संगठनों को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग** से बेअसर कर सकता है।
- वामपंथी उग्रवाद के जाल में फँसे निरिदोष व्यक्तियों को मुख्यधारा में लाने के लिये राज्यों को अपनी **आत्मसमर्पण नीति को युक्तसंगत** बनाना चाहिये।
- राज्यों को भी **वामपंथी उग्रवाद समूहों** को पूरी तरह से समाप्त करने और प्रभावित क्षेत्रों के **सर्वांगीण विकास** को सुनिश्चित करने के लिये एक **केंद्रीत समयबद्ध दृष्टिकोण** अपनाने की आवश्यकता है।
- सरकार को **सुरक्षाकार्मियों के जीवन के नुकसान** को कम करने के लिये **ड्रोन के उपयोग जैसे तकनीकी समाधान** करने की आवश्यकता है।

स्रोत: द हट्टू

